# तुला राशि

## जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम नहीं रहेगा। रोगों से मुक्ति नहीं मिलेगी। अल्प परिश्रम करने पर ही शारीरिक निर्बलता का अनुभव करेंगे। वायु विकार तथा कब्ज के कारण पाचन क्रिया ठीक नहीं रहेगी। कभी-कभी पतले दस्त की भी शिकायत रहेगी। मन्दाग्नि के कारण अर्श रोग की उत्पत्ति सम्भव है। गले में विकार तथा कफ की अधिकता के कारण वाणी में अवरोध की स्थिति आयेगी। नियम-संयम विहीन होने से श्वास रोग के बढ़ने की सम्भाना रहेगी। शरीर के नस-नस में दर्द होगा। आलस्य का सामना करना पड़ेगा। मुखमण्डल की कान्ति मलिन दिखाई देगी। निरन्तर कुछ न कुछ औषधियों का सेवन करते रहेंगे। बीच-बीच में ज्वरादि की भी सम्भावना रहेगी। आर्थिक एवं शारीरिक क्षति के कारण स्वस्थ्य प्रभावित रहेगा। नेत्रों की ज्योति में कुछ कमी आयेगी। शरीर में कुछ कफ तथा वात के कारण रुग्ण जैसी स्थिति रहेगी। शनि की साढ़े साती का विशेष प्रभाव रहेगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ तथा विकासमय रहेगी। धन प्राप्ति के विविध साधन बनाएंगे। सम्पूर्ण उपकरणों तथा साधनों से धन की प्राप्ति होगी। अनायास तथा अल्प परिश्रम के द्वारा भी अपार धन की प्राप्ति होगी। कुछ गोचरीय ग्रहों के विपरीत होने के कारण शारीरिक तथा मानसिक क्लेश सम्भव है। कुछ घटनाओं के कारण भी आर्थिक क्षति की सम्भावना रहेगी। जितनी शीघ्रता से धन की प्राप्ति होगी उतनी ही शीघ्रता से धन की क्षति भी होगी। धन के द्वारा भूमि, भवन तथा वाहन तथा विविध व्यंजनों का उपभोग करने में सक्षम रहेंगे। धन की कितनी भी क्षति होगी, परन्तु धन का अभाव नहीं रहेगा और किसी कार्य में बाधा आने की सम्भावना नहीं रहेगी। संकल्प की गयी सम्पूर्ण मनोकामनाएं वित्त द्वारा पूर्ण होंगी।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी। परिवार में दुःखों व रोगों की अधिकता के कारण अधिक धन का व्यय होगा और लोग चिन्तित रहेंगे। भय, शोक, लोभ, मोह, तृष्णा में कमी नहीं आयेगी। अर्थाभाव की स्थिति नहीं आयेगी और किसी भी वस्तु का अभाव नहीं रहेगा। पारिवारिक एकता-अखण्डता तथा सामंजस्य में कमी की स्थिति बनेगी। शत्रुओं के आतंक से समस्त परिवार के लोग भयभीत रहेंगे। मान-सम्मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में वृहद् हानि होगी। परिवार में धन-जन की हानि भी सम्भव है। मांगलिक कार्यों में प्रायः बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। दूसरों से विश्वासघात के कारण धन तथा मान हानि भी सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति उत्तम रहेगा। निरर्थक समय व्यतीत करना पसन्द नहीं करेंगे। रहस्यमयी विद्याओं के प्रति विशेष अध्ययनशील रहेंगे। इस राशि के कुछ लोग अध्ययन तो सतत करेंगे, किन्तु निरर्थक विषयों का अध्ययन करेंगे जिसका कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा।

## फरवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख विकारयुक्त रहेगा। वात तथा उदर विकार सम्बन्धी रोगों की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें।

मित्र- मित्रों की अधिकता रहेगी, किन्तु मित्रों से कम लाभ की ही दशा बनेगी। मित्रगण विश्वासघात करेंगे। धनहानि करके पलायित होंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। अर्थ बल द्वारा भौतिक समस्त सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा अच्छी रहेगी। पग-पग पर प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी जगह सम्मान प्राप्त करेंगे।

आहार- अपने अनुकूल आहारों का सेवन करेंगे, किन्तु रोगों में कमी नहीं आयेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा रहेगा। इसके द्वारा धन, यश, मान तीनों की प्राप्ति होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के प्रति व्यवहार अच्छा रहेगा। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। जीवनसाथी के आचार-विचार से प्रसन्नता रहेगी।

सन्तान- सन्तानों में योग्यता तथा विद्वता रहेगी। सन्तानों के प्रति विकास की भावना बनेगी। सन्तानों को शिक्षित बनाना चाहेंगे।

## मार्च

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में कुछ कमी रहेगी। वायु विकार तथा शारीरिक कष्टों का अनुभव करेंगे। अल्प समय में ही रोगों की शान्ति होगी।

मित्र- मित्रों से प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ भ्रमण का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। इष्ट मित्रों के स्वागत में धनभार बढ़ेगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मनोनुकूल ही रहेगी। आय के स्रोत क्रमशः मजबूत ही होंगे। आत्मसन्तोष द्वारा जीविकोपार्जन करेंगे। ऋण की स्थिति नहीं आयेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर वृद्धि ही होगी। अच्छे कृत्यों द्वारा लोगों को आकर्षित करेंगे। आकर्षित लोग धन तथा प्रतिष्ठा दोनों प्रदान करेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी, किन्तु बीच-बीच में दूसरों के माध्यम से भोजन करने के कारण मन्दाग्नि बढ़ेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में रुचि बढ़ेगी। क्रमशः विषयों के अध्ययन में नवीनता आयेगी। विविध पुस्तकों का अध्ययन करके लोगों को ज्ञानार्जन करायेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी परिश्रमी, सुशील तथा साहसी मिलेगी, किन्तु रोगों की अधिकता के कारण पीड़ित रहेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से प्रसन्नता मिलेगी। सन्तान धर्म तथा शास्त्र के अनुकूल चलने वाले रहेंगे।

## अप्रैल

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अनुकूल रहेगा। कुछ रोग निवारण हेतु औषधियों का सेवन करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य में विशेष सुधार की स्थिति आयेगी।

मित्र- मित्रों की संख्या अधिक होने से प्रसन्नता होगी। मित्रों के संसर्ग से मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे और आहार तथा धनसुख भी प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगी। विशिष्ट अर्थागम के कारण प्रसन्नता बढ़ेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय उत्तम रहेगा। मान-प्रतिष्ठा को स्थाई बनाकर सदाचार का पालन करेंगे।

आहार- आहारों में समता नहीं रहेगी। कभी मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी तो कभी मन के विपरीत आहार का उपभोग करेंगे, जिससे स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव आता रहेगा।

अध्ययन- रहस्यमयी विद्याओं का अध्ययन करके लोगों को यथावत ज्ञान कराना अपना सौभाग्य समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी यदि रोगों के घेरे में आ गयी तो उस घेरे से निकलना दुर्लभ होगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष से प्रसन्नता मिलेगी। सन्तानों का विकास शीघ्रता के साथ सम्भव रहेगा। अचित-अनुचित के ज्ञान से परिपूर्ण रहेंगे। किसी हानि की सम्भावना नहीं रहेगी।

## मई

स्वास्थ्य- नियम-संयम एवं औषधियों के द्वारा उत्तम स्वस्थ्य की प्राप्ति करेंगे। शीत तथा कब्ज कारक पदार्थों का सेवन न करें।

मित्र- मित्रों की संख्या अधिक होने से मित्रों की सेवा में धन तथा समय की हानि होगी, किन्तु प्रसन्नता नहीं होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आर्थिक क्षेत्र में विशिष्ट सफलता मिलेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अग्रगामी रहेंगे। सभी लोगों द्वारा धन-मान-यश तीनों की प्राप्ति होगी।

आहार- आहारों में अनुकूलता नहीं रहेगी। कभी मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी तो कभी मन के विपरीत आहार का उपभोग करेंगे, जिससे अजीर्ण की प्रधानता रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अति उत्तम रहेगा। लोगों को शिक्षित तथा ज्ञानी बनाना अपना मुख्य उद्देश्य समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी पतिव्रता, साध्वी तथा धर्मनिष्ठ रहेगी। कुछ अंश में स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। परस्पर प्रेम वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों का भविष्य उज्ज्वल दिखाई पड़ेगा। सन्तान के अनुशासन तथा संस्कार से माता-पिता को सन्तुष्टि होगी।

## जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अनुकूल नहीं रहेगा। औषधियों के द्वारा ही स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। क्योंकि रोगों में वृद्धि प्राचीन काल से ही है।

मित्र- मित्रों से विशेष प्रेम न करें। मित्रों से लाभ नहीं होगा। मित्रों से धोखा तथा धन की क्षति ही होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आयेगी। धीरे-धीरे धन वृद्धि होती ही रहेगी। अर्थागम के लिए किए गये समस्त प्रयास सफल होंगे। भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अनुकूल रहेगा। आशातीत मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। प्रतिष्ठा के कारण मनोबल में वृद्धि होगी तथा मानसिक सुख प्राप्त होगा।

आहार- उत्तम आहारों की प्राप्ति का सौभाग्य नहीं मिलेगा। विवशता वश तीक्ष्ण आहारों का सेवन करेंगे जिससे उदर विकार में वृद्धि होती ही जायेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में विशिष्टता पाई जायेगी। अधिक से अधिक शास्त्रों का अध्ययन करना और लोगों को ज्ञान देना ही मूल सूत्र रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकारयुक्त रहेगा। जीवनसाथी के क्रिया-कलापों से आत्मसन्तुष्टि मिलेगी।

सन्तान- सन्तानों से प्रसन्नता मिलेगी। परिश्रम तथा बुद्धि की प्रखरता से सन्तानों का विकास सम्भव रहेगा।

## जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख मध्यम रहेगा। दूरस्थ यात्राओं तथा अनियमित खान-पान के कारण शारीरिक सुख में कमी रहेगी। उदर विकार से कष्ट होगा, किन्तु अल्पकाल में ही रोगों का शमन होगा।

मित्र- मित्रों के आगमन से अति प्रसन्नता होगी। मित्रों के मध्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी, किन्तु आर्थिक क्षति भी होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में अनुकूलता रहेगी। बीच-बीच में आर्थिक क्षति भी सम्भव है जिससे हार्दिक कष्ट होगा।

प्रतिष्ठा- उत्तम मान-प्रतिष्ठा तथा यश की प्राप्ति होगी। अपने मान-प्रतिष्ठा की रक्षा यथाशक्ति अवश्य करें।

आहार- आहारों में अनुकूलता नहीं रहेगी। भिन्न-भिन्न स्थानों के आहार मिलेंगे। कभी मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी तो कभी मन के विपरीत आहार का उपभोग करेंगे, जिससे स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए समय अनुकूल रहेगा। सर्वदा अध्ययन करने की प्रवृत्ति रहेगी। लोगों को संस्कारमय तथा शिक्षित बनना अपना उद्देश्य समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकारयुक्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिन्तित रहेंगे। स्वास्थ्य सुधार हेतु धन की क्षति होगी।

सन्तान- सन्तान सुख अच्छा रहेगा। सन्तानों की प्रतिभा बढ़ेगी। उच्च पद की प्राप्ति करेंगे। भविष्य के प्रति सफलता प्राप्त करेंगे।

## अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य रहेगा। कुछ अंश में वायु तथा वात की प्रधानता रहेगी। औषधियों द्वारा शान्ति मिलेगी।

मित्र- मित्रों में मैत्री भाव की प्रधानता रहेगी, किन्तु उनसे लाभ की स्थिति अल्प ही रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। क्रमशः विकास की स्थिति बनेगी।

प्रतिष्ठा- अपूर्व मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति करेंगे। प्रतिष्ठा के क्षेत्र में प्राथमिकता मिलेगी। मानसिक कष्टों का नाश होगा।

आहार- मनोनुकूल तथा उचित आहार न मिलने से कष्ट होगा। मन्दाग्नि की निर्बलता चिरस्थाई रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए समय श्रेयष्कर रहेगा। अध्ययन-अध्यापन के कार्य में सतत् प्रयत्नशील रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के कृत्यों से अति प्रसन्नता रहेगी। परस्पर स्नेह बढ़ते ही रहेंगे, किन्तु जीवनसाथी में रोगों की अधिकता रहेगी।

सन्तान- सन्तानों से आत्म सन्तुष्टि मिलेगी। सन्तानों की आज्ञाकारिता से माता-पिता का सम्मान बढ़ेगा।

## सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ अनुकूलता दिखाई पड़ेगी। वायु विकार में कमी आयेगी। जठराग्नि द्वारा भोजन का परिपाक सम्यक रूप से होगा।

मित्र- मित्रों में मैत्री भाव की प्रधानता रहेगी, उत्तम यात्रा पूर्ण होगी। मित्रों के सहचर्य से अति प्रसन्नता बढ़ेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। समय-समय पर आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आयेगी। भौतिक समस्त सुखों की अनुभूति करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा उत्तम रहेगी। प्रतिष्ठा का क्षेत्र विकसित रहेगा।

आहार- मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होगी। बलवर्धक तथा सन्तुष्टिदायक आहार ग्रहण करके प्रसन्नमुख रहेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अछा रहेगा और अध्ययन-अध्यापन में अच्छी सफलता मिलेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ सामंजस्य की स्थिति बनी रहेगी। कुछ अंश में स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा।

सन्तान- सन्तानों में विशेष सक्रियता रहेगी। सदाचार के पालन में अनुरक्त रहेंगे। भविष्य में उत्थान करेंगे।

## अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ न कुछ कमी रहेगी। कब्ज, कफ तथा श्वास रोग की अधिकता रहेगी। मानसिक व्यग्रता बढ़ेगी।

मित्र- मित्रों से प्रायः तनाव की स्थिति रहेगी। मित्रों से लाभ तो नहीं वरन् हानि ही अधिक होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। विविध स्रोतों से धन की प्राप्ति करते रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोगों द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे।

आहार- आहार मनोनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक मिलेगा, तन-मन की प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में निरन्तर रत रहेंगे। शिक्षा के पचार-प्रसार में सबलता आयेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति रहेगी। परस्पर प्रेम वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से सन्तुष्ट रहेंगे। सन्तानों के संस्कार, आचार-विचार से माता-पिता का सम्मान बढ़ेगा और पारिवारिक जनों को सन्तुष्टि मिलेगी।

## नवम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहेगा। शीत के प्रकोप से प्रभावित रहेंगे। गले में खराश और कफ से पीड़ित रहेंगे। वायु विकार की अधिकता रहेगी।

मित्र- मित्रों की अधिकता से कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मित्रों पर विश्वास न करें अन्यथा हानि की स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आयेगी। किन्तु कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण आर्थिक क्षति सम्भव है जिसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में प्रगति की स्थिति आयेगी। कुशाग्र बुद्धि तथा सदाचार द्वारा सम्मानित होंगे।

आहार- उत्तम तथा मनोनुकूल आहार की प्राप्ति होने पर भी रोगों का निदान दुर्लभ रहेगा। अजीर्णता की समाप्ति के लिए औषधियों का सेवन करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए समय अति श्रेष्ठ रहेगा। अध्ययन-अध्यापन में अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। पढना-पढ़ाना अपना श्रेष्ठ धर्म-कर्म समझेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के आरोग्यता में कमी रहेगी। पित्त तथा फोड़े-फुंसी से भय बना रहेगा। आन्तरिक रोगों का ज्ञान सरलता से नहीं हो पायेगा।

सन्तान- सन्तानों का भाग्योदय अति शीघ्रता से होगा। सन्तानों की प्रभुता तथा प्रतिभा से लोग प्रसन्न रहेंगे। माता-पिता की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

## दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में अनुकूलता तथा दृढ़ता आयेगी। मन्दाग्नि के प्रकोपों में कमी आयेगी। क्षुधा की मात्रा बढ़ेगी।

मित्र- मित्रों की संख्या अधिक होने से मित्रों की सेवा में व्यय भर बढ़ेगा। मित्र गण निन्दा करेंगे। मित्रों से धन तथा मान की हानि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में प्रगाढ़ता तथा सुदृढ़ता आने के कारण धन की वर्षा होगी। धनागम के क्षेत्र में विकासशीलता ही रहेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतिभा, कुलीनता व प्रज्ञा के द्वारा पतिष्ठा में स्थिरता आयेगी।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। समुचित और मनोनुकूल आहार की प्राप्ति नहीं होगी। तृष्णा के कारण हानिकारक पदार्थों का सेवन करके रोग में वृद्धि ही करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन के लिए यह माह विशेष अच्छा रहेगा। अध्ययन-अध्यापन में दक्षता प्राप्त होगी। ब्रह्म विद्या की तरफ विशेष आकर्षित रहेंगे और लोगों को भी इस विद्या का ज्ञान करायेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी साध्वी, गुणवती, धर्मनिष्ठ तथा पतिपरायण रहेगी। कुछ अंशों में पित्त रोग की सम्भावना भी बनेगी। यदि रोग के प्रकोप में आयेगी तो शीघ्रता से रोग दूर नहीं होगा।

सन्तान- मनोनुकूल सन्तान की प्राप्ति नहीं होगी। विद्या, बुद्धि तथा सदाचार के क्षेत्र में आगे रहेंगे। प्रेम विवाह की चिन्ता रहेगी, किन्तु सफलता संदिग्ध रहेगी।

## सावधानियाँ एवं उपाय

१. शीतकारक, कब्जकारक पदार्थों का सेवन न करें।

२. शत्रुओं से सवावधान रहें, अकस्मात् आये हुए के साथ मैत्री न करें।

३. मिथ्या कलंक से अपनी रक्षा करें।

शनि की शान्ति के लिए- १. प्रतिदिन स्नानादि से विवृत्त होकर नियम पूर्वक ‘‘ॐ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः’’ मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।

२. शनिवार के दिन सुन्दर काण्ड का पाठ करें तथा हनुमान चालीसा का भी ११ पाठ अवश्य करें।

३. काले घोड़े के नाल अथवा नाव के कील की अँगूठी शनि मंन्त्र से अभिमंत्रित कर शनिवार के दिन मध्यमा अँगुली में अवश्य धारण करें।

४. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन हनुमान जी का दर्शन करें और तिल के तेल के साथ हनुमान जी दोनों पैरों में सिन्दूर का लेप करें। शनि की अनुकूलता प्राप्त होगी।

सूर्य की शान्ति के लिए- १. ''ऊँ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः'' मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें और रविवार के दिन मदार की लकड़ी से इसी मंत्र से १०८ बार हवन करें।

२. पिता एवं पिता तुल्य लोगों का सममान करें।

३. माणिक्य रत्न स्वर्ण की अगूठी में मढ़वाकर उसे प्राण प्रतिष्ठित कराकर उसे रविवार के दिन रवि की होरा में अनामिका अँगुली में अवश्य धारण करें

केतु की शान्ति के लिए- १. ''ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः केतवे नमः'' मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें और कुश की लकड़ी से इसी मंत्र से १०८ बार हवन करें।